देवभोग दुग्ध सयंत्र के औद्योगिक भ्रमण का प्रतिवेदन

दिनांक: 30 जनवरी 2024

स्थान:

देवभोग दुग्ध सयंत्र, राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित उरला

ग्राम-उरला

पोस्ट- चरोदा,कुम्हारी

जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

प्रस्तुतकर्ता: शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग

औद्योगिक भ्रमण हेतु कार्य योजना:-

विद्यार्थियों में औद्योगिक कौशल एवं ज्ञानवर्धन हेतु दिनांक 30/01/2024 को को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा प्रायोजक पीएम उषा मद के तहत औद्योगिक भ्रमण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित उरला (दुर्ग) स्थित दुग्ध सयंत्र ले जाया गया । जिसके लिये नवंबर 2023 को प्राचार्य को विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया गया तथा 23 जनवरी 2024 को प्राचार्य महोदय से भ्रमण की अनुमति प्राप्त किये तथा दिनांक 24 /01/2024 को दुग्ध महासंघ के प्रबंधक महोदय से भ्रमण की अनुमति प्राप्त किये तथा औद्योगिक भ्रमण के सफल आयोजन एवं टीम की गठन हेतु दिनांक 27/01/2024 को वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच. पी. एस. सलुजा के नेतृत्व में सभी प्राध्यापको की बैठक वाणिज्य विभाग में आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों के अनुशासन एवं भ्रमण हेतु डॉ. एस.एन. झा, डॉ. प्रदीप जांगड़े एवं डॉ. लाली शर्मा को दल प्रभारी नियुक्त किया गया ।

औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य: विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के छात्र और शिक्षकों ने देवभोग मिल्क सयंत्र का औद्योगिक भ्रमण किया। जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दुग्ध के उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना था तथा अन्य उद्देश्य निम्नलिखित है-

1. विद्यार्थियों को उद्योग की व्यवहारिक जानकारी का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना।

2. विद्यार्थियों को दुग्ध के उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया की समझ प्रदान करना।

3.विद्यार्थियों को सहकारिता के विकास की जानकारी प्रदान करना।

4. विद्यार्थियों में व्यावसायिक समझ को विकसित करते हुए व्यवसायिक दक्षता, उद्यमिता और उत्पादन प्रबंधन के क्षेत्र की अधिक जानकारी प्रदान करना।

5. विद्यार्थियों को स्थानीय उद्योग व दुग्ध संघ की प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान करना।

औद्योगिक भ्रमण का विवरण: इस औद्योगिक भ्रमण में एम.कॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा बी.कॉम अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं सहित वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकगण भी शामिल हुए ।सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक मिलाकर कुल 70 लोगों की टीम छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित उरला,दुर्ग औद्योगिक शिक्षण भ्रमण के लिए सुबह 07:30 बजे बस के माध्यम से महाविद्यालय परिसर से रवाना हुई ।

सर्वप्रथम कुम्हारी स्थित सांई मंदिर में दर्शन हेतु गए तथा वहां स्वल्पाहार किये । तत्पश्चात छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित उरला,दुर्ग के लिये प्रस्थान किये। 10 बजे उरला पहुँच कर औद्योगिक भ्रमण के लिए छात्र-छात्राओं को 2 बैच में विभाजित किया गया।

कुम्हारी स्थित साईं मंदिर कैंटीन में स्वल्पाहार

औद्योगिक भ्रमण टीम के द्वारा ए.जी.एम श्री बालकृष्ण साहू ,इंचार्ज एम.डी. श्री अहूजा जी का स्वागत

और फिर नियम और दिशा निर्देश का पालन करते हुए प्रशासनिक भवन में जाकर सयंत्र में प्रवेश की अनुमति ली गई। ततत्पश्चात दुग्ध महासंघ के ए.जी.एम श्री बालकृष्ण साहू ,इंचार्ज एम.डी. श्री अहूजा जी के दिशानिर्देश में सुरक्षात्मक निर्देशों का पालन करते हुए पर्यवेक्षक के माध्यम से उद्योग का भ्रमण कराया गया।

देवभोग दुग्ध उद्योग का परिचय : सर्वप्रथम दुग्ध महासंघ के ए.जी.एम श्री बालकृष्ण साहू ,इंचार्ज एम.डी. श्री अहूजा जी व अन्य अधिकारियों द्वारा देवभोग दुग्ध उद्योग की स्थापना का वर्ष एवं उद्देश्य और भविष्य में उद्योग को

किस स्तर पर विस्तार करना है, उद्योग में कार्यरत कर्मचारीयों की संख्या, उनकी योग्यता और उनकी चयन की प्रक्रिया को बताया गया।

श्री बालकृष्ण साहू और एम.डी. श्री अहूजा जी देवभोग दुग्ध उद्योग की स्थापना एवं उद्देश्य के बारे में विधार्थियों को जानकारी प्रदान करते हुए

दुग्ध प्राप्ति का स्त्रोत: दूध का संग्रहण किस तरह से किया जाता है एवं किन स्त्रोतों से यह संग्रहण किया जाता है आदि की जानकारी दी गई। जिसमें दुग्ध संग्रहण में स्थानिय कृषक और दुग्ध सहकारिता समूहकीअहम भूमिका को बतलाया गया।

दुग्ध शोध प्रयोगशाला व प्रक्रियात्मक विधियों से अवगत : विद्यार्थियों को दुग्ध को किस प्रकार शोध प्रयोगशालाओं में किस प्रकार जांचा गया ताकि गुणवत्ता की निगरानी की जा सके इसकी जानकारी दी गयी व दुग्ध को विभिन्न प्रक्रियात्मक स्त्रोतों में प्रसंस्कृत किया गया, जैसे कि पास्त्रीज़ेशन, हॉमोजनाइज़ेशनऔर पाकीकरण।

दुग्ध उत्पादों की सूची: दूध, दही, पनीर, लस्सी, खोवा, रबड़ी, श्रीखंड,मिठाई,और दुग्ध के अन्य उत्पादों की बनाने पैकिंग करने से लेकर वितरण तक की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत करवाया गया ।

जैसे-

दूध से दही बनाने की प्रक्रिया

दूध से पनीर बनाने की प्रक्रिया

दूध से खोवा बनाने की प्रक्रिया

दूध से मिठाई बनाने की प्रक्रिया

पैकेजिंग की जानकारी: उत्पादों को उच्च गुणवत्ता वाले पैकेजिंग मशीनो के द्वारा पैक किया गया।

पैकेजिंग मशीन

गुणवत्ता के प्रमाण: दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता उच्च और मान्यता हेतु प्रक्रियाओं का पालन किया जाता उनसे अवगत करवाया गया।

आटोमेटिक मिल्क पैकिंग सिस्टम

उत्पादों वितरण: विद्यार्थियों को दुग्ध उत्पादों को स्थानीय बाजारों में किस प्रकार विभिन्न एजेंटो द्वारा वितरित किया जाता है जिसकी विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी।

देवभोग मिल्क पार्लर

लेखांकन की जानकारी : इसके साथ ही एकाउंट सेक्शन के पूरी विस्तार से खाताबही,वाउचर,और गत वर्ष के बैलेंस शीट (चिठ्ठा) एवं वार्षिक प्रतिवेदन को दिखाते हुए जानकारी दी गई । टेंडर भरने और टेंडर चयन करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

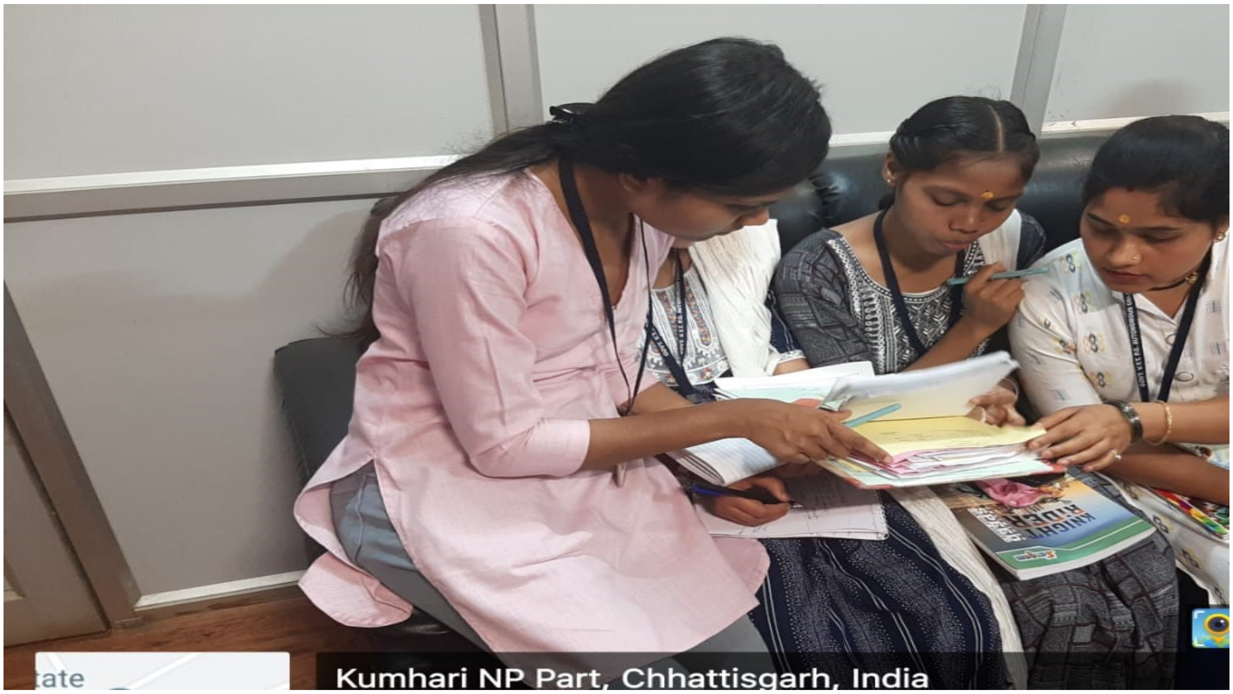

विभिन्न वाउचर का अध्ययन करते छात्र - छात्राएं

लेखापाल के द्वारा वाउचर एवं वार्षिक प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए

भ्रमण से वापसी: सभी विद्यार्थी व प्राध्यापकगण सारी प्रकियाओं और जानकारियों को देखने व समझने के पश्चात सयंत्र से बाहर आ गए। जिसके बाद विद्यार्थीयों व शिक्षकों द्वारा अन्य संबंधित प्रश्न पूछा गया। जिनका जवाब पाकर सभी ने अपनी जिज्ञासा को संतुष्ट किया। जिसके बाद सभी प्रशासनिक भवन की ओर गये और प्रशासनिक स्तर की कार्यों की जानकारी प्राप्त किये। तत्पश्चात सायं 06:00 बजे दुग्ध संयन्त्र से महाविद्यालय की ओर प्रस्थान किये। महाविद्यालय पहुँचने के पश्चात सभी विद्यार्थीयों से प्रतिपुष्टि पत्र के माध्यम से उनके भ्रमण तथा सयंत्र से सम्बंधित प्रतिक्रिया प्राप्त की गई ।

भ्रमण पश्चात् विद्यार्थीयों द्वारा समूह परिचर्चा करते हुए

निष्कर्ष:

छात्रों ने इस औद्योगिक भ्रमण से अत्यधिक प्रेरणा और ज्ञान प्राप्त किया। उन्हें दुग्ध उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया को समझने काय अवसर मिला। उन्हे न केवल उत्पादों की गुणवत्ता व प्रक्रिया को समझने में मदद मिली, बल्कि उन्हें उद्योगिक दुनिया के वास्तविकताओं के साथ संपर्क करने का एक अद्वितीय अवसर भी मिला। यह भ्रमण छात्रों और शिक्षकों को औद्योगिक क्षेत्र में उनकी शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने में मदद करेगा । इससे उन्हें व्यवसायिक दुनिया में अपनी आगे की कैरियर की संभावनाएं समझने में मदद मिलेगी ।